

**न्यायालय-श्री संजीव कुमार, मुंसिफ, नरकटियागंज**

**स्वत्व वाद सं०-५५/२०१७**

**CIS No.-TS 416/2018**

यादव लाल दास.....वादी

बनाम

प्रभु दास एवं अन्य.....प्रतिवादीगण

| <b><u>DATE</u></b> | <b><u>ORDER</u></b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | <b><u>REMARKS</u></b> |
|--------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
| <b>12.12.2025</b>  | <p>उभय पक्षों की ओर से पैरवी है। वाद पुकार किया गया। वादी की ओर से दाखिल आवेदन दिनांक 15.03.2024 अंतर्गत आदेश 22 नियम 04 व्यवहार प्रक्रिया संहिता को वादी के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रचालित किया गया। आवेदन में कथन किया गया है कि प्रस्तुत वाद, वादी साक्ष्य हेतु लम्बित चल रहा है। प्रस्तुत वाद के प्रतिवादी सं०-०१ की मृत्यु बहुत पूर्व हो चुकी है, जिसकी सूचना वादी को नहीं थी। प्रतिवादी सं०-०१, थाना साठी अन्तर्गत दुमदुमवा में निवास करते थे, जिनके वारिसानों का नाम किसी माध्यम से पता नहीं हो पा रहा है कि प्रतिवादी सं०-०१ के स्थान पर उनके वारिसानों का नाम प्रतिस्थापित हो सकें। मृत प्रतिवादी सं०-०१ का नाम प्रस्तुत वाद के प्रतिवादी कॉलम से विलोपित करना आवश्यक है। वादी ने जान-बुझकर प्रतिस्थापना आवेदन वो प्रतिवादी का नाम विलोपित करने हेतु आवेदन देने में विलम्ब नहीं किया है बल्कि जानकारी नहीं होने के कारण विलम्ब हुआ है। अतः श्रीमान् से निवेदन है कि वादी के तरफ से दाखिल आवेदन स्वीकार करते हुए मृत प्रतिवादी सं०-०१ का नाम प्रतिवादी कॉलम से विलोपित करते हुए शेष प्रतिवादियों को नाम क्रमागत ०१ से ०५ सं० में करने का आदेश पारित किया जाए।</p> <p>प्रतिवादीगण की ओर से वादी के आवेदन का मौखिक विरोध किया गया है और आवेदन खारिज योग्य बताया गया है।</p> <p>उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्तागण को सुना गया। अभिलेख का अवलोकन किया। अभिलेख अवलोकन से विदित होता है कि प्रस्तुत वाद के प्रतिवादी सं०-०१ प्रभु दास की मृत्यु हो चुकी है। वादी द्वारा दाखिल आवेदन शपथ</p> |                       |

न्यायालय-श्री संजीव कुमार, मुंसिफ, नरकटियागंज

स्वत्व वाद सं०-५५/२०१७

CIS No.-TS 416/2018

यादव लाल दास.....वादी

बनाम

प्रभु दास एवं अन्य.....प्रतिवादीगण

|                              |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |  |
|------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|
| <b>लगातार<br/>12.12.2025</b> | <p>पत्र से समर्थित है। नियमन माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नियमन K Rudrappa V/S Shivappa AIR 2004, SC 4346 एवं Ganesh Prasad Badrinath Lahoti V/S Sanjeev Prasad Jamuna Prasad Chaurasia AIR 2004, SC 4158 के आलोक में तथा न्यायहित में वादी की ओर से दाखिल आवेदन दिनांक 15.03.2024 स्वीकार किया जाता है तथा मृतक प्रतिवादी सं०-०१ का नाम वाद पत्र से कलमजद करने की अनुमति दी जाती है।</p> <p>वाद दिनांक 10.02.2026 वास्ते उपस्थिति हेतु नियत।</p> <p>लेखापित</p> <p>मुंसिफ<br/>नरकटियागंज</p> |  |
|------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|